कृपया प्रकाशनार्थ - **9 जनवरी 2009**

पेट्रोलियम क्षेत्र की अराजकता -
प्रधान मंत्री हस्तक्षेप करें : राम नाईक

मुंबई, शुक्रवार : "डिजल के दाम घटाने की ट्रान्सपोर्टरों की माँग को मान्यता देकर आम आदमी की परेशानीयाँ कम करने के लिए अब प्रधान मंत्री डा.मनमोहन सिंह अगुवाई करें" ऐसी माँग पूर्व पेट्रोलियम मंत्री श्री.राम नाईक ने आज जारी प्रेस विज्ञप्ती में की है. ट्रान्सपोर्टरों के हडताल के समय पर ही तेल कंपनीयों के अधिकारी भी हडताल पर है. उन्हे 'एस्मा' का डर दिखाने से हालात और भी बिगड गयें हैं, ऐसा अभिमत भी श्री.नाईक ने व्यक्त किया है.

आंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल के दामों में भारी गिरावट होने के बाद डिजल तथा रसोई गैस के दाम कम करना जरुरी था. ट्रान्सपोर्टरों की डिजल के दाम घटाने की माँग बिल्कुल जायज है. उन पर हडताल पर जाने की नौबत आनीही नही चाहिए थी. अब उनके हडताल के कारण सब्जी तथा अन्य आवश्यक वस्तूओं की कमी से आम आदमी भी परेशान हुआ है. पेट्रोलियम मंत्री श्री.मुरली देवड़ा को किसी से भी हमदर्दी नही दिखायी देती. वें बस अपनी बात पर अडे हैं. इसिलिए अब स्वयं प्रधान मंत्री ने इस विषय में दखलअंदाजी देकर हल निकालना चाहिए", ऐसी माँग श्री.राम नाईक ने की.

तेल कंपनीयों के कर्मचारीओं ने भी अभी हडताल करने से स्थिती बेकाबू हुई है. पुरी यातायात व्यवस्था टूट गयी है. अब आम आदमी का संयम किसी भी समय टूट सकता है. किंतु पेट्रोलियम मंत्री श्री.मुरली देवड़ा को उसकी फिक्र नही हैं. उन्हें यह बताने का समय आया है कि कर्मचारीओं पर सख्ती बरतने से भी हडताल लंबा न हो इस में जनहित है, ऐसी प्रतिक्रिया देकर श्री.नाईक ने कहा, "अमीरों के लिए हवाई जहाज का इंधन सस्ता करने में जो 'तत्परता' श्री.देवड़ा ने दिखाई थी उससे 1 प्रतिशत उत्साह भी अभी समस्या सुलझाने में वें नहीं दिखा रहें है. उनके इसी रुखे तथा सौतेले व्यवहार से न केवल पेट्रोलियम क्षेत्र में तो पुरे देश में अब अराजक निर्माण हो सकता है. परिस्थिती बेकाबू होने से पहले अब प्रधानमंत्री इसमें दखल दें."

"प्रधानमंत्री डिजल तथा रसोई गैस के दाम घटा कर तथा तेल कंपनीयों के अधिकारीयों और ट्रान्सपोर्टरों का हड़ताल खत्म कर आम आदमी को राहत दें," ऐसी माँग भी अन्त में श्री.नाईक ने की.

(कार्यालय मंत्री)